HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : JULY 10, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1: 20वीं सदी के प्रारंभ में भारतीय क्रांतिकारियों की भूमिका

20वीं शताब्दी के प्रारंभ में भारतीय क्रांतिकारियों की भूमिका के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. प्रथम विश्व युद्ध के दौरान स्थापित **बर्लिन समिति** को भारत में ब्रिटिश विरोधी गतिविधियाँ शुरू करने के लिए जर्मन सरकार से प्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त हुआ था।
2. **गदर पार्टी** का विद्रोह 1915 के दौरान भारत के भीतर तैनात भारतीय सैनिकों के बीच विद्रोह भड़काने में मुख्य रूप से सफल रहा था।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a) केवल 1

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** बर्लिन समिति (जिसे 'भारतीय स्वतंत्रता समिति' भी कहा जाता है) का गठन 1914 में जर्मनी में भारतीय राष्ट्रवादियों द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य जर्मन समर्थन से भारत में विद्रोह भड़काना था। जर्मनों ने धन और रणनीतिक सहायता प्रदान की, क्योंकि उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश शासन को अस्थिर करने के अवसर के रूप में इसे देखा था।
- **कथन 2 गलत है:** गदर पार्टी ने सशस्त्र विद्रोह (विशेष रूप से 1915 का गदर विद्रोह) भड़काने का प्रयास किया था, लेकिन सूचना लीक होने, ब्रिटिश खुफिया तंत्र और समन्वय की कमी के कारण यह काफी हद तक विफल रहा। यह भारत के भीतर बड़े विद्रोह भड़काने में सफल नहीं रहा था।

प्रश्न 2: पारिस्थितिकी तंत्र उत्पादकता और कार्बन गतिकी

पारिस्थितिकी तंत्र उत्पादकता और कार्बन गतिकी (carbon dynamics) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **सकल प्राथमिक उत्पादकता (GPP)** सभी स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्रों में जैव विविधता के साथ हमेशा बढ़ती है।
2. **शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता (NPP)** कभी-कभी उच्च श्वसन हानि (respiration loss) के कारण उपजाऊ पारिस्थितिकी तंत्रों में भी GPP से कम हो सकती है।
3. **ब्लू कार्बन (Blue Carbon)** पारिस्थितिकी तंत्र जैसे मैंग्रोव और समुद्री घास, स्थलीय जंगलों की तुलना में दीर्घकालिक कार्बन पृथक्करण (sequestration) में अधिक कुशल होते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** हालांकि जैव विविधता उत्पादकता में योगदान दे सकती है, लेकिन GPP हमेशा जैव विविधता के साथ रैखिक रूप से नहीं बढ़ती है। कुछ पारिस्थितिकी तंत्रों में, एक बिंदु के बाद संतृप्ति (saturation) या अतिरेक (redundancy) हो सकता है।
- **कथन 2 सही है:** $NPP = GPP - श्वसन$। स्वपोषियों (autotrophs) द्वारा उच्च श्वसन के कारण NPP कम हो सकता है, भले ही GPP अधिक हो।
- **कथन 3 सही है:** मैंग्रोव, समुद्री घास और लवण दलदल जैसे ब्लू कार्बन पारिस्थितिकी तंत्र सदियों से सहस्राब्दियों तक अवायवीय (anaerobic) मिट्टी में कार्बन को जमा करते हैं, जिससे वे उष्णकटिबंधीय जंगलों की तुलना में अधिक प्रभावी दीर्घकालिक कार्बन सिंक बन जाते हैं।

प्रश्न 3: राजकोषीय सुदृढ़ीकरण और भारतीय बजटीय अभ्यास

राजकोषीय सुदृढ़ीकरण (Fiscal Consolidation) और भारतीय बजटीय अभ्यास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (FRBM) अधिनियम** के तहत केंद्र को 2025-26 तक राजस्व घाटे को 0% तक कम करना आवश्यक है।
2. **"प्रभावी राजस्व घाटा" (Effective Revenue Deficit)** की अवधारणा में राजस्व घाटे से राज्यों को पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए दिए गए अनुदान को बाहर रखा जाता है।
3. 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार **ऑफ-बजट उधारी (Off-budget borrowings)** को राजकोषीय घाटे के लक्ष्य के तहत शामिल किया गया है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** FRBM अधिनियम का मूल लक्ष्य 0 राजस्व घाटा था, लेकिन इसमें संशोधन किया गया। वर्तमान रोडमैप 2025-26 तक शून्य राजस्व घाटे का लक्ष्य नहीं रखता है, विशेष रूप से महामारी के व्यवधानों के बाद।
- **कथन 2 सही है:** $प्रभावी राजस्व घाटा = राजस्व घाटा - पूंजीगत संपत्ति निर्माण के लिए अनुदान$। इसे केंद्रीय बजट 2011-12 में पेश किया गया था।
- **कथन 3 सही है:** 15वें वित्त आयोग ने पारदर्शिता पर जोर दिया और राजकोषीय संकेतकों में ऑफ-बजट उधारी को शामिल करने का सुझाव दिया।

प्रश्न 4: भारत के संविधान में प्रावधान

भारत के संविधान में निम्नलिखित में से कौन से प्रावधान स्पष्ट रूप से उल्लिखित हैं?

1. मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होगी।
2. प्रधानमंत्री लोकसभा में बहुमत दल का नेता होगा।
3. भारत का उपराष्ट्रपति कोई अन्य लाभ का पद धारण नहीं करेगा।

4. अध्यक्ष (Speaker) प्रथम दृष्टया मतदान नहीं करेगा, लेकिन मत बराबर होने की स्थिति में उसके पास निर्णायक मत (Casting Vote) होगा और वह उसका प्रयोग करेगा।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 1, 3 और 4

(c) केवल 1 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b) केवल 1, 3 और 4

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** अनुच्छेद 75(3): मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
- **कथन 2 गलत है:** संविधान स्पष्ट रूप से यह नहीं कहता कि पीएम लोकसभा में बहुमत दल का नेता होगा। यह एक संसदीय परिपाटी (Convention) है, संवैधानिक प्रावधान नहीं।
- **कथन 3 सही है:** अनुच्छेद 66(4): उपराष्ट्रपति कोई लाभ का पद धारण नहीं करेगा।
- **कथन 4 सही है:** अनुच्छेद 100(1): अध्यक्ष प्रथम बार में मतदान नहीं करेगा, लेकिन मत बराबर होने की स्थिति में उसके पास निर्णायक मत होगा।

प्रश्न 5: कथन-कारण प्रकार (Assertion-Reason)

कथन (A): माइटोकॉन्ड्रिया का अपना डीएनए और राइबोसोम होता है, और वे अपने स्वयं के कुछ प्रोटीन को संश्लेषित करने में सक्षम होते हैं।

कारण (R): माइटोकॉन्ड्रिया की उत्पत्ति स्वतंत्र रूप से रहने वाले प्रोकैरियोट्स के रूप में हुई थी जिन्होंने प्रारंभिक यूकेरियोटिक कोशिकाओं के साथ एक सहजीवी संबंध (symbiotic relationship) बनाया था।

(a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सही है, लेकिन R गलत है।

(d) A गलत है, लेकिन R सही है।

उत्तर: (a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या है।

व्याख्या:

- **कथन (Assertion) सही है:** माइटोकॉन्ड्रिया अर्ध-स्वायत्त (semi-autonomous) अंगक हैं जिनका अपना डीएनए, राइबोसोम और उनके कामकाज के लिए आवश्यक कुछ प्रोटीन संश्लेषित करने की क्षमता होती है।
- **कारण (Reason) सही है:** यह **एंडोसिम्बायोटिक सिद्धांत (Endosymbiotic Theory)** का समर्थन करता है, जो प्रस्तावित करता है कि माइटोकॉन्ड्रिया पूर्वज यूकेरियोटिक कोशिकाओं द्वारा निगले गए एरोबिक प्रोकैरियोट्स से विकसित हुए हैं।
- **R, A की सही व्याख्या करता है**, क्योंकि उनकी आनुवंशिक स्वतंत्रता उनकी विकासवादी उत्पत्ति के कारण है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न - करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1: भारतीय राज्यों में राष्ट्रपति शासन का विस्तार

भारतीय राज्यों में राष्ट्रपति शासन (President's Rule) के विस्तार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन को तीन साल से आगे केवल संवैधानिक संशोधन के माध्यम से ही बढ़ाया जा सकता है।
2. संसद को दोनों सदनों में विशेष बहुमत (Special Majority) द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से राष्ट्रपति शासन के प्रत्येक छह महीने के विस्तार को मंजूरी देनी चाहिए।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) न तो 1 और न ही 2

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** अनुच्छेद 356 राष्ट्रपति शासन को अधिकतम 3 साल तक की अनुमति देता है, लेकिन 1 साल (3 साल नहीं) से अधिक विस्तार के लिए दो शर्तों का पूरा होना आवश्यक है:
    - पूरे भारत में या राज्य के किसी हिस्से में राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352) लागू होना चाहिए।
    - चुनाव आयोग को यह प्रमाणित करना होगा कि चुनाव नहीं कराए जा सकते।

3 साल से आगे विस्तार की अनुमति ही नहीं है, सिवाय इसके कि परिस्थितियों के पुनर्मूल्यांकन के बाद नई उद्घोषणा की जाए (जैसे पंजाब के मामले में संवैधानिक संशोधन द्वारा किया गया था, लेकिन यह सामान्य नियम नहीं है)।

- **कथन 2 गलत है:** प्रत्येक विस्तार के लिए संसद के दोनों सदनों में **साधारण बहुमत** (Simple Majority) की आवश्यकता होती है, विशेष बहुमत की नहीं।

प्रश्न 2: निम्नलिखित में से किस देश ने 2025 तक भारत-रूसी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने के लिए किसी सौदे पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं या औपचारिक रुचि व्यक्त नहीं की है?

(a) फिलीपींस

(b) इंडोनेशिया

(c) वियतनाम

(d) म्यांमार

उत्तर: (d) म्यांमार

व्याख्या:

- **फिलीपींस:** इसने 2022 में भारत के साथ एक सौदे पर हस्ताक्षर किए, जो पहला विदेशी खरीदार बना।
- **इंडोनेशिया:** इसने रुचि व्यक्त की है और बातचीत के उन्नत चरणों में है।
- **वियतनाम:** इसने रणनीतिक रुचि दिखाई है, हालांकि अभी औपचारिक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं।

- **म्यांमार:** इसने आधिकारिक तौर पर ब्रह्मोस के लिए रुचि व्यक्त नहीं की है और न ही कोई सौदा किया है, मुख्य रूप से राजनयिक चिंताओं के कारण।

प्रश्न 3: सनफ्लावर सी स्टार (Pycnopodia helianthoides)

सनफ्लावर सी स्टार (Sunflower Sea Stars) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'सी स्टार वेस्टिंग डिजीज' (Sea star wasting disease) के कारण उन्हें IUCN रेड लिस्ट में **गंभीर रूप से लुप्तप्राय** (Critically Endangered) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
2. वे विशेष रूप से हिंद महासागर के तटों पर, विशेष रूप से कोरल रीफ पारिस्थितिकी तंत्र में पाए जाते हैं।
3. इनका गायब होना 'ट्रोफिक कैस्केड' (Trophic cascades) को ट्रिगर कर सकता है, जिससे समुद्री अर्चिन (Sea urchin) की आबादी बढ़ने के कारण केल्प वनों (Kelp forests) पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) सभी तीनों

उत्तर: (b) केवल 1 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** 2020 में, 'सी स्टार वेस्टिंग डिजीज' के कारण बड़े पैमाने पर होने वाली मृत्यु के कारण इस प्रजाति को गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
- **कथन 2 गलत है:** सनफ्लावर सी स्टार उत्तरी अमेरिका (अलास्का से कैलिफोर्निया तक) के **प्रशांत तटों** पर पाए जाते हैं, हिंद महासागर में नहीं।
- **कथन 3 सही है:** वे समुद्री अर्चिन का शिकार करते हैं। उनकी कमी से अर्चिन की आबादी बढ़ती है, जो केल्प वनों को नष्ट कर देती है। यह 'ट्रोफिक कैस्केड' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

प्रश्न 4: नीलगिरी तहर और संरक्षण विकास

नीलगिरी तहर (Nilgiri Tahr) और हालिया संरक्षण विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह प्रजाति पूर्वी हिमालय की स्थानिक है और उच्च ऊंचाई वाले स्नोलाइन आवासों को पसंद करती है।
2. 2025 की जनसंख्या गणना में नीलगिरी तहर की आबादी में 21% की वृद्धि दर्ज की गई, मुख्य रूप से मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान में।
3. तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय जैव विविधता मिशन के तहत 'नीलगिरी तहर संरक्षण परियोजना' शुरू की है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 2 और 3

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 1 और 3

(d) सभी तीनों

उत्तर: (a) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** नीलगिरी तहर **पश्चिमी घाट** (विशेष रूप से तमिलनाडु और केरल) की स्थानिक (Endemic) प्रजाति है, पूर्वी हिमालय की नहीं।
- **कथन 2 सही है:** आबादी में 21% की वृद्धि दर्ज की गई, विशेष रूप से मुकुर्थी और इराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान में।
- **कथन 3 सही है:** तमिलनाडु ने राज्य की पहल के रूप में यह परियोजना शुरू की है, जिसे केंद्रीय धन का भी सहयोग प्राप्त है।

प्रश्न 5: 'हाट ऑन व्हील्स' (Haat on Wheels) पहल

भारत में शुरू की गई 'हाट ऑन व्हील्स' पहल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत एक ग्रामीण विपणन योजना है जिसका उद्देश्य मोबाइल वैन के माध्यम से एसएचजी (SHG - स्वयं सहायता समूह) उत्पादों को बढ़ावा देना है।
2. यह पहल DAY-NRLM मिशन से जुड़ी है और आजादी का अमृत महोत्सव उत्सव श्रृंखला का हिस्सा है।
3. यह स्वयं सहायता समूहों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) के माध्यम से उत्पाद बेचने के लिए ई-कॉमर्स एकीकरण की अनुमति देता है।
4. इसे पहली बार मणिपुर में जातीय हिंसा से प्रभावित महिलाओं के आर्थिक समावेश के लिए लॉन्च किया गया था।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल तीन

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** यह ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) के तहत एक मोबाइल ग्रामीण मार्ट योजना है।
- **कथन 2 सही है:** यह DAY-NRLM का हिस्सा है और ग्रामीण महिला उद्यमियों को प्रदर्शित करने के लिए अमृत महोत्सव के साथ संरेखित है।
- **कथन 3 सही है:** एसएचजी को ई-कॉमर्स और GeM के साथ एकीकृत किया जा रहा है।
- **कथन 4 गलत है:** पहली शुरुआत मणिपुर में नहीं, बल्कि गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में हुई थी। यह विशेष रूप से संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों के लिए नहीं थी।

प्रश्न 6: उत्तरकाशी जिले की भौगोलिक विशेषताएं

निम्नलिखित में से कौन सी विशेषताएं उत्तरकाशी जिले में उनके स्थान के साथ सही ढंग से सुमेलित हैं?

1. **गोमुख ग्लेशियर** - भागीरथी नदी का उद्गम

2. **गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान** - नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व का हिस्सा
3. **नेलंग घाटी** - भारत-चीन सीमा के पास रणनीतिक घाटी
4. **डोडीताल झील** - यमुना नदी का स्रोत

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 4

(c) केवल 1, 2 और 3

(d) सभी चार

उत्तर: (c) केवल 1, 2 और 3

व्याख्या:

- **बिंदु 1 सही है:** गोमुख गंगोत्री ग्लेशियर का अग्रभाग (snout) है और गंगा की मुख्य सहायक नदी भागीरथी का उद्गम स्थल है।
- **बिंदु 2 सही है:** गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व के बफर जोन का हिस्सा है।
- **बिंदु 3 सही है:** नेलंग घाटी भारत-तिब्बत सीमा के करीब स्थित है और सेना की निगरानी में एक रणनीतिक क्षेत्र है।
- **बिंदु 4 गलत है:** डोडीताल झील **असी गंगा** नदी का स्रोत है, यमुना का नहीं। यमुना यमुनोत्री ग्लेशियर से निकलती है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 1

प्रश्न 1: परीक्षण कीजिए कि भारतीय परिवार की बदलती संरचना किस प्रकार लैंगिक भूमिकाओं और अंतर-पीढ़ीगत संबंधों को प्रभावित कर रही है? (15 अंक)

उत्तर:

भारतीय परिवार, जो पारंपरिक रूप से संयुक्त और पितृसत्तात्मक रहा है, शहरीकरण, आर्थिक गतिशीलता, प्रवासन और बदलती आकांक्षाओं के कारण एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है।

बदलती लैंगिक भूमिकाएँ:

- **कार्यबल में महिलाएँ:** अधिक महिलाएँ करियर बना रही हैं, जिससे दोहरी आय वाले एकल (Nuclear) परिवार बढ़ रहे हैं। यह महिलाओं को केवल 'गृहिणी' मानने के पारंपरिक दृष्टिकोण को चुनौती देता है।
- **घरेलू कार्यों में पुरुषों की भागीदारी:** शहरी भारत में पुरुष घरेलू कामों और बच्चों के पालन-पोषण में तेजी से योगदान दे रहे हैं, हालांकि यह सामाजिक परिवर्तन क्रमिक है।
- **पितृसत्ता को चुनौती:** युवा पीढ़ी पितृसत्तात्मक मानदंडों के खिलाफ आवाज उठा रही है। महिलाएँ विवाह, करियर और मातृत्व जैसे निर्णयों में स्वायत्तता का दावा कर रही हैं।
- **समानतावादी विवाह:** मध्यवर्गीय शहरी परिवारों में विवाह अब आपसी सम्मान और बातचीत पर आधारित होते जा रहे हैं।

अंतर-पीढ़ीगत संबंधों पर प्रभाव:

- **सह-निवास में कमी:** एकल परिवारों के कारण दादा-दादी/नाना-नानी के साथ दैनिक बातचीत सीमित हो गई है, जिससे पारंपरिक अंतर-पीढ़ीगत बंधन और सांस्कृतिक हस्तांतरण कमजोर हो रहा है।
- **बुजुर्गों की संवेदनशीलता:** बच्चों के बाहर जाने से कई बुजुर्ग अकेलापन महसूस करते हैं। इससे बुजुर्गों के प्रति उपेक्षा और दुर्व्यवहार की चिंताएँ बढ़ गई हैं।
- **वैचारिक अंतराल (Value Gap):** लिंग, कामुकता और करियर विकल्पों पर अलग-अलग विचार घर्षण का कारण बनते हैं। युवा पीढ़ी अक्सर सामूहिकता के बजाय व्यक्तिवाद को महत्व देती है।
- **तकनीक एक सेतु के रूप में:** डिजिटल उपकरण (वीडियो कॉल, व्हाट्सएप) संपर्क बनाए रखने में मदद करते हैं, हालांकि यह शारीरिक निकटता जितना आत्मीय नहीं है।

निष्कर्ष: नीतियों को कामकाजी महिलाओं (जैसे मातृत्व लाभ) और वरिष्ठ नागरिकों (जैसे डे-केयर सेंटर) दोनों का समर्थन करना चाहिए ताकि देखभाल और आपसी सम्मान के मूल मूल्यों को संरक्षित किया जा सके।

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 2

प्रश्न 2: कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने में संसदीय समितियों के महत्व पर चर्चा कीजिए। उनकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है? (15 अंक)

उत्तर:

संसदीय लोकतंत्र में संसदीय समितियाँ विधायी निरीक्षण के महत्वपूर्ण उपकरण हैं। ये छोटे समूहों में काम करते हुए सरकारी कार्यों और नीतियों की गहन जाँच सुनिश्चित करती हैं।

संसदीय समितियों का महत्व:

- **विस्तृत जाँच:** लोक लेखा समिति (PAC) और प्राकलन समिति जैसी समितियाँ CAG रिपोर्टों और बजटीय खर्चों का गहरा विश्लेषण करती हैं।
- **द्विपक्षीयता:** इन समितियों में सभी राजनीतिक दलों के सदस्य शामिल होते हैं, जो दलीय राजनीति के बजाय आम सहमति को बढ़ावा देते हैं।
- **विशेषज्ञता निर्माण:** समितियों में लंबा कार्यकाल सांसदों को रक्षा, पर्यावरण या वित्त जैसे क्षेत्रों में विषयगत विशेषज्ञता विकसित करने में मदद करता है।
- **विधायिका में इनपुट:** विभाग-संबंधित स्थायी समितियाँ (DRSCs) विधेयकों की जाँच करती हैं और महत्वपूर्ण संशोधनों का सुझाव देती हैं।

सुधार के सुझाव:

- **रिपोर्टों पर अनिवार्य चर्चा:** महत्वपूर्ण समिति रिपोर्टों के लिए संसद सत्र में समय आवंटित किया जाना चाहिए।
- **सार्वजनिक पहुँच:** पारदर्शिता बढ़ाने से कार्यान्वयन के लिए सरकार पर दबाव बन सकता है।
- **क्षमता निर्माण:** अनुसंधान कर्मचारियों के माध्यम से सांसदों के योगदान को बढ़ाया जा सकता है।
- **नियत दिशा-निर्देश:** बैठकों की आवृत्ति और सिफारिशों की समयबद्ध समीक्षा के लिए एक औपचारिक ढांचा आवश्यक है।

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 3

प्रश्न 3: भारत की कृषि उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा पर जलवायु परिवर्तन के निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए। जोखिमों को कम करने के लिए अनुकूलन रणनीतियों का सुझाव दें। (15 अंक)

उत्तर:

भारत की कृषि अत्यधिक जलवायु-संवेदनशील है। 50% से अधिक कृषि भूमि वर्षा पर आधारित है और 85% किसान लघु/सीमांत हैं, ऐसे में मामूली जलवायु परिवर्तन भी विनाशकारी हो सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन के निहितार्थ:

- **अनिश्चित मानसून:** वर्षा की परिवर्तनशीलता के कारण बुवाई में देरी या फसल की बर्बादी होती है। असमय बारिश खड़ी फसलों को नुकसान पहुँचाती है।
- **तापमान में वृद्धि:** गेहूं और चावल में 'हीट स्ट्रेस' पैदा होता है। 1°C की वृद्धि से गेहूं के उत्पादन में 40-50 लाख टन की कमी आ सकती है।
- **जल की कमी:** घटता भूजल और हिमनदों (Glaciers) का पिघलना सिंचाई के लिए खतरा पैदा कर रहा है।
- **पोषण सुरक्षा:** जलवायु परिवर्तन फसलों की पोषण गुणवत्ता (जैसे चावल/गेहूं में जिंक, आयरन की कमी) को प्रभावित करता है।

अनुकूलन रणनीतियाँ:

- **जलवायु-लचीली फसलें:** सूखा और बाढ़ प्रतिरोधी किस्मों (जैसे स्वर्ण सब-1 चावल) को बढ़ावा देना।
- **सूक्ष्म सिंचाई:** PMKSY के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम का विस्तार।
- **मौसम आधारित फसल बीमा:** PMFBY को बेहतर शिकायत निवारण के साथ मजबूत करना।
- **विविधीकरण:** बागवानी, डेयरी और मत्स्य पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों को प्रोत्साहित करना।

सामान्य अध्ययन (GS) पेपर 4 (नीतिशास्त्र)

प्रश्न 4: "नैतिक शासन (Ethical Governance) के लिए नैतिक दिशा-सूचक (Moral Compass) और संस्थागत सुरक्षा उपाय दोनों की आवश्यकता होती है।" उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (10 अंक)

उत्तर:

नैतिक शासन सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और सार्वजनिक हित पर आधारित सार्वजनिक मामलों के संचालन को संदर्भित करता है।

- **नैतिक दिशा-सूचक (आंतरिक नैतिकता):** एक लोक सेवक अपनी व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा के कारण बिना किसी पर्यवेक्षण के भी भ्रष्टाचार का विरोध करता है।
    - *उदाहरण:* ई. श्रीधरन ("मेट्रो मैन") अपनी नैतिक नेतृत्व शैली के लिए जाने जाते हैं।

- **संस्थागत सुरक्षा उपाय (बाहरी नियंत्रण):** भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, व्हिसलब्लोअर संरक्षण अधिनियम और लोकपाल जैसे निकाय सत्ता के दुरुपयोग पर रोक लगाते हैं।
    - *उदाहरण:* RTI अधिनियम ने कई घोटालों को उजागर कर पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है।

निष्कर्ष: केवल कानून के माध्यम से नैतिकता प्राप्त नहीं की जा सकती। आंतरिक गुणों (इमानदारी, साहस) और बाहरी प्रणालियों (पारदर्शिता कानून) का संयोजन ही सार्वजनिक विश्वास बनाए रख सकता है।

समसामयिकी (Current Affairs)

प्रश्न 5: क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग भारत में मनी लॉन्ड्रिंग की सुविधा कैसे प्रदान करता है? नियामक चुनौतियों का परीक्षण कीजिए और आगे का रास्ता सुझाएं। (15 अंक)

उत्तर:

क्रिप्टोकरेंसी छद्म नाम (Pseudonymity) और विकेंद्रीकरण की सुविधा प्रदान करती है, जो अपराधियों को मनी लॉन्ड्रिंग के लिए आकर्षित करती है।

मनी लॉन्ड्रिंग की सुविधा:

- **पहचान का छिपाना:** लेनदेन सार्वजनिक ब्लॉकचेन पर होते हैं, लेकिन उपयोगकर्ता की पहचान छिपी रहती है।
- **सीमा पार हस्तांतरण:** बिना किसी केंद्रीय निरीक्षण के क्रिप्टोकरेंसी को सीमाओं के पार ले जाया जा सकता है।
- **शेल एक्सचेंज:** लॉन्डरर उन विदेशी एक्सचेंजों का उपयोग करते हैं जहाँ KYC/AML मानदंडों का पालन नहीं होता है।

नियामक चुनौतियाँ:

- **कानूनी स्थिति का अभाव:** भारत में अभी तक व्यापक क्रिप्टो कानून नहीं है।
- **क्षेत्राधिकार संबंधी मुद्दे:** लेनदेन की अंतरराष्ट्रीय प्रकृति प्रवर्तन को कठिन बनाती है।
- **क्षमता की कमी:** प्रवर्तन एजेंसियों के पास अक्सर 'ब्लॉकचेन फोरेंसिक' विशेषज्ञता की कमी होती है।

निष्कर्ष: एक संतुलित नियामक व्यवस्था – जो न तो पूर्ण प्रतिबंध हो और न ही पूरी छूट – क्रिप्टो की क्षमता का दोहन करने और मनी लॉन्ड्रिंग जोखिमों को कम करने के लिए आवश्यक है।

SIXSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver